देवी मीननेत्री ब्रोव

रागम्: शङ्कराभरणम् ताळम्: आदि

(श्री श्याम शास्त्रि विरचित)

पल्लवि

देवी मीननेत्री ब्रोव-
रावे दयचेयवे ब्रोवरावम्मा

अनुपल्लवि

सेविञ्चेवारिकेल्लनु
चिन्तामणियैयुन्न रा

चरणम्

बाल नीवे गतियनि चाला नम्मिन नपै परा -

केला दयचेय नीकिदिमेला दिव्याम्बा

कालादिविराणी सद्भिउणशीला कीरवाणि देवि
नील नीरदवेणि त्रिलोकजननी देवी महेश्वरी भवानि ॥ १ ॥

अम्बा मुखनिर्जितशत धरबिम्बा रक्षितदेवदात -

वम्मा नतनिज सुत गुह हेरम्बाम्बा श्यमळाम्बा

बिम्बाधरि गौरी कादम्बविहारी अम्बा
कम्बुकण्ठी हिमशैलवृक्ष पालिका देवी बालाम्बिका ॥ २ ॥

वाणीरमावन्दित रुद्राणी नी साटेवरुकल्-

याणी श्यामकृष्णनुता कीरवाणी शर्वाणी

वीणाविनोदिनी श्रीचक्रकोण निवासिनि गीर् -
वाणस्वन्दित पदारविन्दा शिवा देवी कात्यायनी अम्बा ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇